STEPPING STONE SCHOOL (HIGH)

CLASS 10

Subject:-Hindi (2nd language)
Date:30-05-2020
Topic- Answers to worksheets

Edit with WPS Office

class-10

subject-Hindi
topic-Answers to worksheets
Dates-13-04-2020, 20-04-2020,
21-04-2020, 24-04-2020,
04-05-2020, 06-05-2020
07-05-2020, 08-05-2020

Answer to
worksheet-1
13-04-2020

प्र-(क) (i) वृक्ष – पादप, विटप, तरू, पेड़
(ii) पथ – मार्ग, मग, बाट, राह, रास्ता, डगर

(ख) विलोम शब्द :-
(i) ज्ञान – अज्ञान (iii) अनुग्रह – विग्रह
(ii) उपस्थित – अनुपस्थित (iv) मूक – वाचाल

(ग) भाववाचक बनायें :-
(i) मनुष्य – मनुष्यता (ii) बूढ़ा – बुढ़ापा
(iii) शिशु – शिशुता / शैशव (iv) पशु – पशुता

(घ) विशेषण बनायें :-
(i) अर्थ – आर्थिक (iii) अंतर – आंतरिक
(ii) अंक – अंकित (iv) अधर्म – अधर्मी

(ङ) मुहावरें →
(i) चकमा देना – चोर भीड़ का फायदा उठाकर पुलिस को चकमा दे दिया।
(ii) श्री गणेश करना – सेठ हीरालाल ने कल ही अपने कारखाने का श्री गणेश किया है।
(iii) मुट्ठी गर्म करना – रमेश ने दारोगा की मुट्ठी गरम की और अपराधी को छुड़ा लिया।
(iv) अंगूठा दिखाना – मैंने अपने दोस्त से किताब माँगा तो उसने अंगूठा दिखा दिया।

(च) (i) यदि आज्ञा दें तो प्रश्न पूछूँ ?
(ii) समाज से कम लेने पर ही महान बना जा सकता है।

Edit with WPS Office

च) (अ) वह पढ़ाई में कमजोर है।
(ब) गुरु का सम्मान करो।

Answer to
worksheet-2
date-20-04-2020

प्र० (क) अग्नि - अनल, हुताशन, पावक, हुताशन, आग।
अधम - दुष्ट, दुर्जन, नीच, पामर, पापी, शठ, धूर्त।
अध्यापक - शिक्षक, आचार्य, गुरु, उस्ताद।

(ख) ऐच्छिक, सुगम, अनपेक्षा, साधारण

(ग) अप - अपकार, अपयश, अपमान | आ - आक्रमण, आहार, आचरण
अनु - अनुमान, अनुकूल, अनुराग

(घ) (i) मेरी साईकिल तेज दौड़ती है।
(ii) बच्चे ने कहानी ध्यानपूर्वक सुनी।

(ङ) (i) (एकमात्र सहारा) - महेश अपने माँ-बाप का इकलौता लड़का है, उनके लिए तो वह अंधे की लकड़ी है।
(ii) (अपना स्वार्थ सिद्ध करना) - अधिकांश राजनेता अपना उल्लू सीधा करने में लगे हुए हैं।
(iii) (लज्जित होना) - कमजोर व्यक्ति द्वारा भी एक ही झटके में गिरा दिए जाने पर वह पहलवान अपना-सा मुँह लेकर रह गया।

(च) (i) माँ पुत्र को तप करने के लिए प्रेरित कर रही है।
(ii) जब ध्रुव तप करने जा रहे थे तब मार्ग में नारद मिले।
(iii) अन्त में यक्षों ने घुटने टेक दिए क्यों ध्रुव के आगे उनकी एक न चली।

Answer to
worksheet-3
date-21-04-2020

प्र० (क) (i) अमृत - पियूष, सुधा, अमिय,
अश्व - तुरग, वाजि, हय, घोड़ा,
अभिमान - गर्व, मान, गरूर, घमंड, गुमान।

Edit with WPS Office

(ख) (i) अनावृष्टि, मितव्ययी, साध्य।

(ग) (i) वाला - पढ़नेवाला, लिखनेवाला, रखवाला,
(ii) आऊ - बिकाऊ, टिकाऊ, चलाऊ।
(iii) औना - बिछौना, खिलौना।

(घ) (i) आँखें खुलना - (सचेत होना) - ठोकर लगने के बाद ही बहुत से लोगों की आँखें खुलती है।
(ii) ईद का चाँद होना - (कभी-कभी दिखाई देना) - रेखा, शादी के बाद तुम तो ईद का चाँद हो गई हो। अब तो दिखाई नहीं देती।
(iii) आसमान से बातें करना - (बहुत ऊँचा होना) - आजकल ऐसी-ऐसी ईमारतें बनने लगी है जो आसमान से बातें करती हैं।

(ङ) (i) अल्पज्ञ (ii) विशेषज्ञ (iii) अपाठ्य

(च) (i) यदि आप आज्ञा दें तो मैं प्रश्न करूँ।
(ii) समाज से कम लेकर महान बना जा सकता है।
(iii) महात्मा बुद्ध सत्य की खोज करने के इच्छुक थे।

Answer to
worksheet-6
date-24-04-2020

उ-1) पूस की रात अंधेरी और बहुत ठंड थी। ऐसा मालूम हो रहा था कि तारे भी ठंड से काँप रहे हैं। हल्कू उस समय खेत के किनारे ईख के पत्तों की एक छतरी के नीचे बाँस के खटोले पर अपनी पुरानी गाढ़े की चादर ओढ़े पड़ा काँप रहा था।
उ-2) हल्कू का संगी कुत्ता, जबरा था। वह खाट के नीचे था, वह सरदी से कूँ-कूँ कर रहा था।
उ-3) 'जाड़ा (भगवान) अर्थात अमीरों को देखकर भाग जाता है क्योंकि वे खुद को कंबल, गद्दे और लिहाफ का प्रयोग करके बचाए रखते हैं।
उ-4) इस पंक्ति का अर्थ है खेतों पर मेहनत करने वाले किसान कितने कष्ट करते है परन्तु उनके मालिक मजे से जिंदगी बिताते है।
उ-5) "पूस की अंधेरी रात"

Edit with WPS Office

Answer to worksheet-7

date-04-05-2020

उ-)(क)(i) पक्षी – विहग, विहंग, शकुनि, पंछी, खग, परवेरु।
(ii) दिन – दिवस, वार, वासर, अहन्।
(iii) अमृत – पीयूष, सुधा, अमिय।
(iv) कृपा – अनुग्रह, दया, अनुकंपा, करुणा।

(ख)(i) आज्ञा (ii) ह्रास (iii) अपकीर्ति (iv) कुख्यात

(ग)(i) नाकों चने चबवाना – (बहुत परेशान करना) – इस बार दसवीं की परीक्षा में एक प्रश्न पत्र ने अच्छे-अच्छे विद्यार्थियों को नाकों चने चबवा दिए
(ii) दौड़-धूप करना – (बहुत प्रयत्न करना) – रमेश बहुत दौड़-धूप करने के बाद नौकरी हासिल की।
(iii) फूला न समाना – (गौवित होना) – मोहन के माता-पिता उसकी परिक्षाफल देखकर फूले नही समा रहे हैं।
(iv) फलना-फूलना – (उन्नति करना) सोहन के कठिन परिश्रम के कारण आज उसका व्यवसाय फल-फूल रहा है।

(घ)(i) चढ़ाई (ii) लड़कपन (iii) बुढ़ापा (iv) मिठास

(ङ)(i) बुद्धिमति महिला ~~सत्य~~ के मार्ग से नही हटती है।
(ii) अकबर ने बिरबल को एक बार बुलाया।
एक बार अकबर ने बिरबल को बुलाया।
(iii) धर्म, मानव-मन को प्रभावित करता है।
~~(iv) कुएँ की मेढ़क ने सिर्फ कुँआ देखा था।~~
(iv) कुँए का मेढ़क समुद्र से अपरिचित था।

Answer to worksheet-9

date-06-05-2020

उ-1) 'कुमार' एक गाँव में रहता था। वह बहुत भला आदमी था। वह कभी जीव हत्या नही करता था, दूसरे की वस्तु न लेता, झूठ नही बोलता, कोई नशा न करता और दूसरों की पत्नी को माता समान समझता था।
उ-2) कुमार गाँव वालों के साथ मिलकर एक-एक जगह साफ करता और एक-एक को देता गया। इस तरह अंत में सबके लिए जगह कर दी।

Edit with WPS Office

उ-3) गाड़ी या आदमी के जाने में यदि किसी बाधा की संभावना होती तो उसे काटकर कर फेंक देते या हटा देते। ऊँची-नीची जगह को समतल करते, पुल बाँधते, तालाब खोद देते और जरूरत मंदों को दान करते थे।
मेरे विचार से कुमार परोपकारी एवं मेहनती व्यक्ति था इसलिए गाँव के लोग उससे बहुत खुश रहते थे।

उ-4) मुखिया ने सोचा कि कुमार ने ऐसा क्या किया कि लोग शराब पीते और न शराब पीकर उधम मचाते है, न जीव पर हिंसा करते है। इससे मुखिया की आमदानी बन्द हो गई वह न तो किसी पर जुर्माना कर सकता था न ही शराब की बिक्री से उसे जो आमदनी होती थी वह हो रही थी।

उ-5) इस गद्यांश से यह शिक्षा मिलती है कि अपने अच्छे विचार एवं गुणों से दूसरों की सोच को बदल सकते है। इससे मनुष्य एवं समाज दोनो का ही भला होगा।

Answer to
worksheet-10
date-07-05-2020

उ-1) 'गरीब' शब्द का प्रयोग उस दस-बारह वर्ष के पहाड़ी बच्चे के लिए किया गया था, वह एक मैली सी फटी कमीज पहने हुए था।
उ-2) उस पहाड़ी लड़के की मृत्यु एक पेड़ के नीचे रात को हुई थी। उसकी मृत्यु कड़ी ठंड के कारण हुई थी।
उ-3) लड़का पहले एक दुकान पर काम करता था और वही सोता था। उसे सब काम करना पड़ता था जिसके बदले उसे एक रुपया और जूठा खाना मिलता था।
उ-4) लड़का पंद्रह कोस दूर एक गाँव में अपने छोटे भाई-बहनों तथा माता-पिता के साथ रहता था। उनके पास न कोई काम था, न ही रोटी। इसी कारण वह लड़का अपने गाँव के एक साथी के साथ भाग आया था।

Edit with WPS Office

(उद्देश्य)

vii) 'अपना-अपना' भाग्य कहानी में समाज की उन विषमताओं पर अपनी लेखनी के माध्यम से जबरदस्त चोट पहुँचाई है। हमारे समाज के संपन्न लोग, अभावों की दुनिया में जीने वाले लोगों के लिए यह उक्ति कह डालते हैं कि जिसके भाग्य में जो लिखा है वह होकर रहेगा। अंत में बच्चे की मृत्यु के द्वारा लेखक यह समझाने का प्रयास किए हैं कि समाज की आँखें खुल जाएँ और इस देश में किसी और की ऐसी मौत न हो।

(vi) शीर्षक की सार्थकता → 'अपना-अपना भाग्य' कहानी शीर्षक के औचित्य की दृष्टि से सही प्रतीत होती है। लेखक का कहना है कि समता की बातें कितनी भी की जाएँ, लेकिन समाज से विषमता का अंत होने वाला नहीं है। आर्थिक असमानता का सही चित्रण प्रस्तुत शीर्षक ने बड़ी कुशलता से किया है।

Answer to worksheet-11
date-08-05-2020

उ-1) तुलसीदास जी के अनुसार जिसे प्रभु राम के चरणों से प्रेम न हो व भक्ति न रखता हो, वह सदा के लिए अप्रिय और त्याज्य है।

उ-2) प्रह्लाद ने अपने पिता हिरण्यकश्यप को, विभीषण अपने भाई रावण को, भरत अपने माता कैकेयी को, राजा बलि गुरु शुक्राचार्य को, तथा गोपियों ने अपने पतियों को राम भक्ति में त्यागा था।

उ-3) तुलसीदास जी के अनुसार जिस अंजन (काजल) को लगाने से आँखें फूट जाए अंजन किस काम का। ठीक उसी प्रकार जिसे प्रभु राम से प्रेम नहीं है उसे त्याग देना ही उचित है।

उ-4) (क) सीता (ख) राजा बलि (ग) हुए (घ) शुभ (ङ) यह (च) माता (छ) पति (ज) सभी (झ) काजल (ञ) पूज्य

उ-5) 'विनय के पद' कविता के कवि गोस्वामी तुलसी दास जी थे। वे राम भक्ति शाखा के प्रधान कवि थे। वे राम के अनन्य भक्त थे। उनकी प्रमुख रचनाएँ रामचरित मानस, विनय पत्रिका आदि हैं।

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office